गंदगी | पार्षद बोले- लोग भी फैला रहे गंदगी, व्यापारी खुद लगा रहे झाड़ू

भवानी प्रसाद वार्ड में सफाई व्यवस्था चरमराई

नवभारत, जबलपुर। शहर के भवानी प्रसाद वार्ड में सफाई व्यवस्था को लेकर स्थानीय रहवासियों और व्यापारियों में भारी नाराजगी है। वार्डवासियों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में नियमित रूप से झाड़ू नहीं लगाई जाती और जगह-जगह कचरा जमा रहने से पूरे दिन गंदगी का माहौल बना रहता है। बाजार क्षेत्र के व्यापारियों का कहना है कि सफाईकर्मी समय पर नहीं पहुंचते, जिसके कारण उन्हें अपनी दुकानों के सामने स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई करनी पड़ती है।

रहवासियों ने बताया कि वार्ड की कई नालियां लंबे समय से ठीक से साफ नहीं हुई हैं। नालियों के जाम रहने से गंदा पानी जमा हो जाता है और बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। लोगों का कहना है कि इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और संक्रमण फैलने की आशंका बनी हुई है

स्थानीय नागरिकों के अनुसार वार्ड में बने सार्वजनिक शौचालय की निर्माण के बाद से समुचित सफाई नहीं कराई गई। शौचालय के आसपास गंदगी और दुर्गंध के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों ने स्वास्थ्य संबंधी खतरे को देखते हुए तत्काल सफाई और नियमित रखरखाव की मांग की है।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत, फिर भी इंतजार

वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने नगर निगम में कई बार शिकायत दर्ज कराई। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन पर भी समस्या बताई गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से वार्ड में नियमित सफाई, कचरा उठाने की व्यवस्था मजबूत करने और नालियों की सफाई कराने की मांग की है। वार्ड पार्षद अयोध्या तिवारी ने बताया कि वार्ड में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक सफाई कार्य कराया जाता है। उनके अनुसार कई स्थानों पर सफाई के बाद लोग दोबारा कचरा फैला देते हैं, जिससे व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की। पार्षद ने बताया कि वार्ड में प्रभावी सफाई व्यवस्था के लिए करीब 75 सफाईकर्मियों की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में नगर निगम की ओर से केवल 32 सफाईकर्मी उपलब्ध हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण एक सफाईकर्मी से सामान्य क्षमता से कहीं अधिक क्षेत्र की सफाई कराई जा रही है।

लोगों की मांग

- वार्ड में प्रतिदिन नियमित झाड़ू और कचरा उठाने की व्यवस्था हो।
- जाम नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए।
- सार्वजनिक शौचालय की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।
- सीएम हेल्पलाइन व अन्य शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है

दुकानों के सामने कई-कई दिनों तक कचरा पड़ा रहता है। नियमित झाड़ू नहीं लगती, इसलिए हमें खुद सफाई करनी पड़ती है। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ।

राजेंद्र पटेल

वार्ड में नालियों की सफाई नहीं होने से गंदगी और बदबू बनी रहती है। सार्वजनिक शौचालय भी साफ नहीं किया जाता। हमने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रितिक बर्मन

साइबर ठगों ने खातों से उड़ाई लाखों की रकम

वर्क फ्रॉम होम का लालच मोबाइल हैक, लिंक क्लिक कर की ठगी, गोरखपुर में तीन गढ़ा में एक एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। साइबर ठगों ने वर्क फ्रॉम का लालच देकर, मोबाइल हैक, लिंक क्लिक करवाकर खातों से लाखों की रकम उड़ा ली। गोरखपुर थाने में साइबर ठगी की तीन एवं गढ़ा थाने में एक एफआईआर दर्ज हुई है।

गढ़ा पुलिस के मुताबिक, गौतम गंज इंद्रा गांधी वार्ड, गढ़ा निवासी धर्मेंद्र मिश्रा (44) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि जब अपना बैंक अकाउंट चेक किया, तो उन्हें पता चला कि उनके खाते से किश्तों में कुल 40 हजार 822 रुपये कट चुके हैं। जब उन्होंने इस बारे में अपनी बेटी तानिया मिश्रा से पूछा, तब जाकर इस पूरी ऑनलाइन धोखाधड़ी का भंडाफोड़ हुआ। तानिया ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम जॉब सर्च कर रही थी। इसी दौरान उसे ग्लोबल बुक पब्लिकेशन नाम का एक पेज

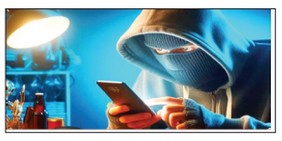

दिखा। इस पेज के संचालकों ने तानिया को घर बैठे टाइपराइटर का काम देने का झांसा दिया और इसके बदले 15,000 रुपये प्रति प्रोजेक्ट सैलरी देने का लालच दिया सैलरी भेजने के नाम पर उससे बैंक अकाउंट का स्कैनर मांग लिया। तानिया ने पिता के बैंक अकाउंट का क्यूआर कोड उन्हें शेयर कर दिया। इसके तुरंत रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने के लिए एक संदिग्ध लिंक भेजी। जैसे ही उस लिंक पर क्लिक तो धीरे-धीरे कर कुल 40,822 रुपये निकाल लिए गए।

व्हाटसएप पर संदिग्ध लिंक आई, खाता खाली हुआ

गोरखपुर थाने में शैलेष जैन निवासी महर्षि स्कूल के सामने ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोपहर लगभग 12 बजे उसके मोबाइल नम्बर पर एक मोबाइल नम्बर से व्हाटसएप मैसेज से लिंक आयी, उसने लिंक क्लिक कर ओपन किया और कुछ देर बाद कुल 1 लाख 39 हजार रूपये कट गये।

टूबी एप डाउन लोड करते ही मोबाइल हैक

गोरखपुर था ने में मनोज कुमार नामदेव निवासी सेठीनगर गुप्तेश्वर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसने अपने मोबाइल में रील देखने के लिये टूबी एप डाउन लोड किया तो जिससे उसका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद उसने गूगल पे पर अपना बैलेंस चैक किया तो खाता से कुल 2 लाख 70 हजार रूपये निकाले जा चुके थे।

शिक्षिका को मैसेज भेज मोबाइल किया हैक

गोरखपुर थाने में श्रीमति आराधना सिंधिया निवासी सेठीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शिक्षक है, उसके मोबाइल पर इंडस इंड बैंक पेशन कार्ड जैसा मैसेज आया, वह मैसेज देखने लगी अचानक उसका मोबाइल हैक हो गया और उसके एवं पति के ज्वाइंट अकाउण्ट से कुल 2 लाख 47 हजार 500 रूपये निकाल लिये गये।

पीडब्ल्यूडी का बाबू चलवा रहा था सेक्स रैकेट

देह व्यापार में हिस्सेदारी, मकान मालिक भी भेजा गया जेल

नवभारत, जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत सुहागी सरस्वती कॉलोनी पन्नी मोहल्ला में चल रहे सेक्स रैकेट के मामले में पुलिस ने मकान मालिक को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो नए खुलासे हुए। आरोपी मकान मालिक पीडब्ल्यूडी सीनियर इंजीनियर ऑफिस में बाबू के पद पर पदस्थ था जिसके संरक्षण में देह व्यापार संचालित हो रहा था। जिसमें उसकी हिस्सेदारी भी थी। रविवार को पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। जबकि मामले में शनिवार को पुलिस ने संचालिका और उसके पति, पुत्र, तीन ग्राहकों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा था।

विदित हो कि सुहागी सरस्वती कॉलोनी पन्नी मोहल्ला में निमेष विनोदिया के मकान में बीते चार साल से देह व्यापार संचालित हो रहा था। पुलिस टीम ने शुक्रवार को घेराबंदी कर दबिश दी थी। मौके से संचालिका मंजू निखर 41 वर्ष निवासी सुहागी सरस्वती कालोनी पन्नी मोहल्ला और उसके पति मुकेश निखर एवं पुत्र आरूष निखर को दबोचा गया था। ग्राहक अभय सिंह, सुबोध सिंह, संजय चौरसिया को भी पकड़ा गया था। ग्राहकों को मोबाइल पर फोटो भेजकर एक-एक हजार रूपए में सौदेबाजी हुई थी। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया था। कार्रवाई के दौरान एक पीड़िता को भी आरोपियों के चंगुल से मुक्ति कराया गया था। मकान मालिक निमेष विनोदिया फरार हो गया था। सीएसपी आशीष जैन ने बताया कि निमेष विनोदिया निवासी सिविल लाइन को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे भी जेल भेज दिया गया है। आरोपी मकान मालिक पीडब्ल्यूडी सीनियर इंजीनियर ऑफिस में बाबू के पद पर पदस्थ था जिसके संरक्षण में देह व्यापार का कारोबार चल रहा था बल्कि इस कारोबार में उसकी हिस्सेदारी भी थी।

31 हजार 889 मैट्रिक टन उर्वरक का वितरण

जबलपुर। किसानों की मांग के अनुरूप जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। जिले में 1 अप्रैल से 11 जुलाई तक 31 हजार 889 मैट्रिक टन उर्वरक के वितरण के बावजूद जिले में अभी भी 30 हजार 290 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्धता बनी हुई है। उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 1 अप्रैल से 11 जुलाई तक 17 हजार 547 मैट्रिक टन यूरिया, 2 हजार 921 मैट्रिक टन डीएपी, 269 मैट्रिक टन एमओपी, 5 हजार 645 मैट्रिक टन एनपीके एवं 5 हजार 507 मैट्रिक टन एसएसपी का वितरण किसानों को किया जा चुका है।

रेलवे मजिस्ट्रेट का जबलपुर स्टेशन के बेस किचन का औचक निरीक्षण

संदिग्ध पनीर के नमूने जांच को भेजे

जबलपुर, नवभारत। यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर ने जबलपुर रेलवे स्टेशन स्थित अधिकृत भोजनालय एवं उसके बेस किचन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, खाद्य सामग्री के भंडारण, साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। इस दौरान उपयोग में लाई जा रही पनीर की गुणवत्ता

संदिग्ध पाए जाने पर स्वास्थ्य निरीक्षक हेमंत यादव को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत पनीर के दो नमूने जांच के लिए अधिकृत खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए, जबकि एक अतिरिक्त नमूना सुरक्षित रखा गया। निरीक्षण के दौरान बेस किचन परिसर में साफ-सफाई संबंधी कई कमियां भी सामने आईं। इस पर संबंधित भोजनालय संचालक के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 145 के तहत नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। साथ ही एजेंसी को स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि यात्रियों के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता न हो। रेल मंडल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से स्टेशन परिसर और अधिकृत भोजनालयों का नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है।

मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

पीक ऑवर में थम जाती रफ्तार, जाम में फंस रहे सैकड़ों वाहन

नवभारत , जबलपुर । शहर के व्यस्त रद्दी चौकी-घमापुर मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक जाम अब रोज़मर्रा की समस्या बन चुका है। सड़क पर निजी बसों का बीच रास्ते में रुककर सवारी बैठाना-उतारना, ई-रिक्शाओं की अव्यवस्थित आवाजाही और बढ़ते वाहनों का दबाव लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रहा है। स्थिति यह है कि कुछ मिनट का सफर तय करने में भी लोगों को 20 से 30 मिनट

तक जाम में फंसे रहना पड़ता है।

मुख्य मार्ग पर बढ़ता यातायात दबाव

रद्दी चौकी-घमापुर मार्ग शहर के प्रमुख संपर्क मार्गों में से एक है। इसी रास्ते से स्कूल, कॉलेज, बाजार, अस्पताल और विभिन्न कार्यालयों के लिए हजारों लोग रोज़ाना आवागमन करते हैं। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी पूरे ट्रैफिक को प्रभावित कर देती है। यात्री बैठाने और उतारने के लिए कई निजी बसें मुख्य सड़क पर ही रुक जाती हैं। इससे पीछे चल रहे दोपहिया, चारपहिया और ई-रिक्शा रुक जाते हैं और देखते ही देखते लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है।

इनका कहना है

ट्रैफिक थाना के अंतर्गत पैंतीस (35) बसों पर कार्रवाई की गई है । वहीं जो हमारे अधिकार क्षेत्र में आने वाले पुलिस स्टेशन है उनमें अट्ठावन (58) बस और पंद्रह (15) स्कूल बसों पर कार्रवाई की जा चुकी है । हमारे द्वारा अभी रोज़ इनमें नज़र रखी जा रही है ।

शशि धुर्वे
टी. आई , ट्रैफिक

लोडिंग वाहन ने तीन श्रमिकों को मारी टक्कर

नवभारत, जबलपुर। कटंगी थाना अंतर्गत कैमोरी के पास सड़क किनारे खड़े तीन मजदूरों को एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पाटन निवासी कल्ली बर्मन, गुलशन लोधी, सिद्धगोपाल और पुष्पेंद्र लोधी ग्राम कैमोरी धान का रोपा लगाने आए थे। शनिवार रात काम खत्म कर सभी वापस घर जाने के लिए मोड़ के पास वाहन का इंतजार कर रहे थे तभी पाटन की ओर से आ रहे सफेद रंग के लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड डब्ल्यू 4148 के चालक ने तेजी और लापरवाही से चलाते हुए कल्ली, पुष्पेंद्र और सिद्धगोपाल को टक्कर मार दी।

कार ने रौंदा, घायल ने अस्पताल में तोड़ा दम

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत त्रिपुरी मेडिकल रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे युवक को कुचल दिया था। हादसे में घायल ने इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।

पुलिस के मुताबिक मूलतः मझौली निवासी जुगल किशोर बर्मन पिता सुखचैन बर्मन (38) का गढ़ा पुरवा में रहकर काम करता था। 9 जुलाई की दोपहर करीब 2 बजे वह चौपाटी दुकान से अपने कमरे की ओर जा रहा था। इसी दौरान त्रिपुरी मेडिकल रोड स्थित जनसुविधा केंद्र के सामने वह पैदल सड़क पार कर रहा था, तभी

मेडिकल रोड की तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 2789 के चालक ने अपने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सड़क पार कर रहे जुगल किशोर को सामने से सीधी टक्कर मार दी थी टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक उछलकर सड़क पर जा गिरा, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के तुरंत बाद घायल को उसके भाई अनिल बर्मन द्वारा अत्यंत नाजुक हालत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में डॉक्टर की तमाम कोशिशों के बावजूद जुगल किशोर की हालत में सुधार नहीं हुआ। दो दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद, 11 जुलाई की देर रात करीब 12:15 बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जबलपुर स्टेशन पर महिला चोर गिरोह का भंडाफोड़

दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, नवभारत। जीआरपी ने जबलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के कीमती सामान चोरी करने वाले एक महिला चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में प्लेटफॉर्म नंबर-6 के अंतिम छोर से रूपा माली (25) निवासी हिंडोलिया, दमोह और रेखा माली (25) निवासी ललितपुर को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने ट्रेनों में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। तलाशी में उनके कब्जे से हाल ही में हुई तीन अलग-अलग चोरी की घटनाओं से जुड़े करीब 70 हजार रुपये मूल्य के जेवरात, जिनमें दो चांदी की पायल, दो चांदी की चेन, एक चांदी का ब्रेसलेट और बिछिया शामिल हैं, बरामद किए गए।

महिलाओं को बनाती थी निशाना

जीआरपी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों महिलाओं का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है और वे विभिन्न स्थानों पर घूमकर ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों, विशेषकर महिला यात्रियों को निशाना बनाती थीं। पुलिस अब दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।